भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

06.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2976 का उत्तर

गैर-जंक्शन/उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं

2976. श्री राजेश वर्मा:

श्री नरेश गणपत म्हस्के:

श्रीमती शांभवी:

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश भर के गैर-जंक्शन और उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन के लिए कदम उठा रही है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) ऐसे स्टेशनों पर प्रतीक्षालय, पेयजल, डिजिटल डिस्प्ले और छायादार बैठने की व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति क्या है;

(ग) क्या उच्च यातायात वाले लेकिन गैर-प्रीमियम स्टेशनों पर समान मानक सुनिश्चित करने के लिए कोई नीति है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इन कमियों को दूर करने में स्टेशन पुनर्विकास योजनाओं की क्या भूमिका है; और

(ङ) ये सुधार आम रेल यात्रियों के सम्मान, आराम और सुरक्षा में किस प्रकार वृद्धि करेंगे?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ) भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के

अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं। बहरहाल, स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्य को मंजूरी देने और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इसमें प्रत्येक ऐसे रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह का सुधार कार्य और प्लेटफार्म पर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण करना, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है। स्टेशनों को शहर के केन्द्रों के रूप में विकसित करने से स्टेशनों पर तथा उनके आसपास आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के अलावा बेहतर यात्रा अनुभव की परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। देश भर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का

विकास संबंधी कार्य अच्छी गति में शुरू किए गए हैं। अभी तक, 105 स्टेशनों पर चरण-I के निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं। इन स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

अंबिकापुर, आमगांव, अयोध्या धाम, बागलकोट, बैजनाथ पपरोला, बलरामपुर, बरेली शहर, बेगमपेट, भानुप्रतापपुर, भिलाई, बिजनोर, बूंदी, चंदा फोर्ट, चिदम्बरम, चिंचपोकली, चिरयिनकीज़, कटक, डाकोर, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, फतेहाबाद, फतेहपुर शेखावटी, गडग, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकरनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुरी, गोविंदपुर रोड, हैबरगांव, हाथरस सिटी, हापा, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जोयचंदी पहाड़, कल्याणी घोषपारा, कनालूस जं., करमसद, करीमनगर, कटनी दक्षिण, केडगांव, कोसांबा जं., कुलीतुराई, लासलगांव, लिंबडी, लोनंद जं., माहे, महुवा, मैलानी, मंडल गढ़, मंडावरमहवा रोड, मंडी डबवाली, मन्नारगुडी, माटुंगा, मीठापुर, मोरबी, मुनिराबाद, मुर्तिजापुर जंक्शन, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, ओखा, ओरछा, पालीताना, पानागढ़, परेल, पीरपैंती, पोखरायण, पोलूर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जंक्शन, समखियाली, सामलपट्टी, शंकरपुर, सावदा, सिवनी, शहाद, शाजापुर, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, श्रीरंगम, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, थावे, तिरुवन्नामलाई, उझानी, उरकुरा, उतरन, वडकारा, वडाला रोड, वृद्धाचलम जंक्शन, वारंगल।

अन्य स्टेशनों पर भी कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं तथा कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- अहमदाबाद स्टेशन पर, द्वितीय प्रवेश पार्सल भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और फिनिशिंग का कार्य शुरू हो चुका है। दक्षिण की ओर मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब भवन, एयर कॉन्कोर्स, नया ऊपरी पैदल पार पुल, एलिवेटेड रोड, गिट्टी

रहित रेलपथ और प्लेटफ़ॉर्म संख्या 10 के सुधार का संरचनात्मक कार्य शुरू हो चुका है।

- सोमनाथ स्टेशन पर बेसमेंट पार्किंग का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। नए स्टेशन भवन का निर्माण, बेसमेंट पार्किंग का फिनिशिंग कार्य, भूमिगत वाटर टैंक का निर्माण और नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

- सूरत स्टेशन पर, गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम भवन का संरचनात्मक कार्य, अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र और नाले के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम भवन की फिनिशिंग, स्टेशन भवन का द्वितीय प्रवेश, एयर कॉन्कोर्स और एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

- भुवनेश्वर स्टेशन पर, पश्चिम और पूर्व की ओर स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स और सीवेज उपचार संयंत्र का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और पश्चिम तथा पूर्व की ओर स्टेशन भवन, पैदल पार पुल, पश्चिम एवं पूर्व की ओर एलिवेटेड रोड का फिनिशिंग कार्य शुरू हो चुका है।

- पुरी स्टेशन पर, नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और स्टेशन भवन, ओवर हेड टैंक और स्टेशन भवन डोम का फिनिशिंग कार्य शुरू हो चुका है।

- कटक स्टेशन पर, नए द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन, नए मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन और सीवेज उपचार संयंत्र का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और नए मुख्य प्रवेश भवन, पैदल पार पुल और एयर कॉनकोर्स का फिनिशिंग कार्य शुरू हो चुका है।

- प्रयागराज स्टेशन पर, रेल डाक सेवा भवन, पार्सल भवन, आगमन भवन, द्वितीय प्रवेश द्वार पर बेसमेंट प्लाजा, विद्युत सबस्टेशन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका

है और इन संरचनाओं का फिनिशिंग कार्य शुरू हो चुका है। ऊपरी पैदल पुल संख्या 2 का विस्तार कार्य पूरा हो चुका है। द्वितीय प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, एयर कॉन्कोर्स और स्थानांतरित संरचनाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- गाजियाबाद स्टेशन पर, मुख्य प्रवेश द्वार और द्वितीय प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, ऊपरी पैदल पुल की नींव का कार्य, रूफ प्लाजा, मुख्य प्रवेश द्वार और द्वितीय प्रवेश द्वार पर विद्युत सबस्टेशन, मजिस्ट्रेट भवन, राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल भवनों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

- रामनगर स्टेशन पर, शौचालय ब्लॉक, पुराने स्टेशन भवन का सुधार, प्रतीक्षालय, प्रांगण का निर्माण, प्लेटफार्म की सतह को ऊंचा करना, यात्री आरक्षण प्रणाली भवन का विस्तार, परिचलन क्षेत्र का विकास, नए प्लेटफार्म शेल्टर, साइनेज, प्रकाश व्यवस्था, लैंडस्केपिंग और दिव्यांगजन सुविधाओं के लिए स्पर्शनीय पथ, वाटर बूथ, कम ऊँचाई वाले टिकट काउंटर, पार्किंग और रैम्प का कार्य पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य शुरू हो चुका है।

- काशीपुर जंक्शन स्टेशन पर, आधुनिक शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग, प्रांगण का निर्माण, प्लेटफार्म की सतह को ऊंचा करना और उसकी सतह में सुधार करने का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, दिव्यांगजन सुविधाओं और लिफ्ट का सुधार कार्य शुरू हो चुका है।

- दाहोद स्टेशन पर, स्टेशन भवन का सुधार, नए प्रांगण का निर्माण, परिचलन क्षेत्र का सुधार, बुकिंग काउंटर और प्रतीक्षालय का सुधार, प्रतीक्षालय का सुधार, प्लेटफार्म

नंबर 1 को ऊंचा करना, नए प्लेटफार्म शेल्टर, स्टेशन की रोशनी में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। नए 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- न्यू भुज स्टेशन पर, नए मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, नया प्रांगण, एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवनों की फिनिशिंग, पैदल पार पुल का निर्माण, प्लेटफार्म में सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- सहरसा स्टेशन पर, नया प्रतीक्षालय और शौचालय ब्लॉक सहित नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, पार्किंग क्षेत्र में सुधार, परिचलन क्षेत्र का विकास, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र में चाहरदीवारी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और नए 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का निर्माण शुरू कर दिया गया है।

- सालौना स्टेशन पर, नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, नए पार्किंग क्षेत्र का विकास, प्लेटफार्म नंबर 2 पर प्लेटफार्म की सतह में सुधार कार्य पूरा हो गया है और नए 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 1 की सतह की ऊचांई बढ़ाना, नए प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- मोदी नगर स्टेशन पर, स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालय और शौचालयों में सुधार, 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, नए प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है तथा भवन के छोटे-मोटे कार्य, प्लेटफार्म की सतह, साइनेज, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- सीतापुर जंक्शन स्टेशन पर, पुराने स्टेशन भवन के सुधार कार्य, प्लेटफार्म फर्श, प्लेटफार्म शेल्टर, चाहरदीवारी का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा नए स्टेशन भवन की नींव, पैदल पार पुल, पे एंड यूज शौचालय का नवीनीकरण, परिचलन क्षेत्र सड़क, पार्किंग आदि का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

- तिरुपति स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश (दक्षिण की ओर) स्टेशन भवन और 2 अदद एयर कॉन्कोर्स के संरचनात्मक ढांचे का कार्य पूरा हो चुका है और दक्षिण की ओर स्टेशन भवन और एयर कॉन्कोर्स में फिनिशिंग का कार्य, मुख्य प्रवेश (उत्तर की ओर) भवन का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टर कार्य, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- नेल्लोर स्टेशन पर दोनों तरफ स्टेशन भवनों के संरचनात्मक ढांचे, ईंटों और प्लस्तर का कार्य, एयर कॉनकोर्स के गर्डरों की लांचिंग का कार्य पूरा हो चुका है और दोनों तरफ स्टेशन भवनों और एयर कॉनकोर्स, सबवे विस्तार, पानी की टंकियों, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- मोरप्पुर स्टेशन पर, नए स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, दिव्यांगजन पार्किंग, रैंप और कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, सहायता बूथ का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, साइनेज, स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था, दिव्यांगजनों के अनुकूल शौचालय, वाटर बूथ, पैदल पार पुल के सुधार कार्य और लिफ्ट का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- बोम्मिडी स्टेशन पर स्टेशन भवन, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, साइनेज, दिव्यांगजन पार्किंग, रैंप और कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, प्रकाश व्यवस्था,

मार्गदर्शी स्पर्शनीय पथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, वाटर बूथ आदि का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट, ब्रेल मैप और साइनेज के सुधार कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

- चालक्कुडि स्टेशन पर स्टेशन भवन कॉनकोर्स और बुकिंग कार्यालय के सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म की सतह, प्रतीक्षालय, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्डों, दिव्यांगजन की सुविधा के लिए जन उद्‌घोषणा प्रणाली, साइनेज़, मानक रैम्प, कम ऊंचाई के टिकट बूथ का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन का सुधार, शौचालय, दिव्यांगजन की सुविधा के लिए शौचालय और पानी के बूथ का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- चंगनाशेरी स्टेशन पर, स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, स्टेशन पंहुच मार्ग का सुधार, प्लेटफार्म सतह, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, दिव्यांगजनों को पार्किंग सुविधा, शौचालय, पानी के बूथ, मानक रैम्प का कार्य पूरा हो चुका है। जन उद्‌घोषणा प्रणाली, साइनेज़ और प्रकाश व्यवस्था के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी

ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। आवंटन और व्यय का ब्यौरा योजना शीर्ष - 53 के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 12,118 करोड़ रु. आबंटित किए गए हैं, जबकि जून, 2025 तक 2,612 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

****